20 KW ROOF TOP GRID TIED SOLAR POWER PLANT

AT

S G S G GOVERNMENTCOLLEGE NASIRABAD (AJMER)

UNDER

RUSA GRANT



WHY SOLAR

- > NO FOSSIL FUEL REQUIRED
- > MINIMUM OPERATING COST
- > NON LABOUR ORIENTED
- > LONG TERM ENERGY & REVENUE GENERATOR
- RELIABLE OVER THE LONG TERM WITH NO MOVING PARTS
- > 100% ECO FRIENDLY





The Photovoltaic (PV) Grid Tied system consists of mainly of 3 components: The Crystalline Silicon PV array, Module Mounting Structure and the Power conditioning Unit (PCU). Crystalline silicon Modules are of high Power density & will convert Sun Light in to Electricity. The power generated by the Solar array needs to be 'conditioned' in respect of voltage, phase and frequency to make it grid – Tied. The Power Conditioning Unit used in grid connected SPV systems consist of an Inverter and other electronics for MPPT, Synchronization and remote monitoring. The Module mounting structure is used to hold the module in position.

The electrical power generated by the PV array is fed into the grid. When the output of PV systems varies due to weather conditions / seasonal changes the balance between supply and demand of power at the load end is met by drawing it from the grid. When the load is below the solar generation, excess power can be feed to the grid line.

The advantage of the system is whenever solar or grid is not present the system will automatically shuts down & helps in maintenance work of the line. To install this type of system special permission from Utility supplier is needed

ADVANTAGES OF GRID SYSTEM OVER OFF GRID SYSTEM

- 1. The Grid tied system is quite cheaper than off grid system which consists batteries. (Rs. 88750/- per KW for grid system and Rs.184510/- for off grid system with battery as per RRECL rates 2015-16).
- 2. Recurring expenses for grid system is almost zero where as in off grid system batteries are liable to change in 4 to 5 years.
- 3. Grid system is 100 % ecofriendly whereas batteries in off grid system produces some harmful gases and heat.
- 4. The excess power of electrical power which is not utilized by institution will be fed to AVVNL through grid connectivity which not only optimize the efficiency of solar system but also generate revenue for institution(present rate for solar power of DISCOM is Rs. 6.63 per unit). In off grid system any excess amount cannot be utilized.
- 5. The output quality does not affect due to weather conditions or battery conditions in Grid system.

DOCUMENTATION AND TECHNICAL REQUIREMENT

- The Maximum capacity of solar plant which can be installed in any premises is 80 % of approved load from DISCOM. (In Nasirabad college, approved load is 30 KW thus capacity of solar plant must be less than 24 KW)
- > NOC from DISCOM (AVVNL in Ajmer) is required.
- Institute may choose any company for installation of system from empanelled companies of Rajasthan Renewable Energy Corporation Limited (RRECL).
- An agreement between institute and company should be signed and submitted to RRECL for approval of project.
- After complete installation of system another agreement should be signed between institute and DISCOM authorities.
- 7 to 8 sq. meters per KW shadow free area on roof of the institute is required for installation of solar panels.

COST OF PROJECT AND MATERIAL SPECIFICATIONS

- The approved rates from RRECL for systemsareRs.88750/- per KW up to 25 KW projects and Rs. 79490/- per KW for projects ranging for 25KW to 100KW.RRECL provides government grant at the rate of Rs. 24000/ per KW directly to empanelled companies(valid upto 30-06-2016).
- The revised rates from RRECL are likely to announce by 15 July 2016.

COST SHARING PATTERN IN GOVT. COLLEGE NASIRABAD

Total Project cost for supply, installation, testing, commissioning & maintenance for 5 years (@ Rs.88750/- per KW):	College Share paid by RUSA grant (@Rs.64750/- per KW):	CFA (subsidy) Receivable from RRECL(@Rs. 24/- per watt under MNRE scheme):
Rs. 17,75,000 /-	Rs.12,95,000 /-	Rs. 4,80,000 /-

- Company provides solar panels, module mounting structure, PCV, Inverter, Cable for connection from PCV to Net Meter, Solar Meter, Net Meter, LTCT, Earthing Kit and other parts of standard specifications of RRECL as per requirement on site.
- Company is liable for maintenance of system for 5 years and it provides 15 years guarantee on panels.
- Reduction of 10% efficiency is expected in 10 years and 20 % in 25 years.

EXPECTED OUTCOMES OF PROJECT

- Installed system will produce approx. 95 units per day in normal sunny days and 30to 40 units in rainy days.
- Expected annual energy generation by the system is 31200 units in weather conditions of Nasirabad.
- The estimated value of this generated energy is Rs. 210288/-(at the rate of Rs. 6.74 per unit), depending upon maintenance, temperature in summers and other conditions.
- Presently college consume approx. 18000 units per annum, thus college get minimum revenue for 13200 units per annum which would be Rs. 88968/-
- Generation of energy can be monitored online.

PRESS COVERAGE OF PROJECT





बैठक से भी सराहा गया। कॉलेज शिक्षा राजस्थान के आयुक्त अनूप खींची तथा रूसा की संयुक्त निदेशक डॉ. रेणु ने भी प्राचार्य गौड़ को अनुकरणीय कार्य के लिए बधाई दी। प्राचार्य गौड़ ने बताया कि राज्यभर के विभिन्न महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों द्वारा सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापना के लिए जानकारी मांगी जा रही है। उन्होंने आशा जताई सौर ऊर्जा सयंत्र भविष्य में काफी कारगर साबित होगा।

उन्होंने बताया कि जुलाई के प्रथम सप्ताह में आयुक्त कॉलेज शिक्षा उपर्युक्त संयंत्र का अवलोकन करने आएंगे।

प्रोजेक्ट में सहयोग देते हुए अनापत्ति प्रमाण-पत्र एवं अन्य कार्रवाई को भी त्वरित करवाया।

素に

जांच



नसीराबाद के जोविंद सिंह गुर्जर राजकीय महाविद्यास्य में लगा सौर पसंद।

राज्य का पहला कॉलेज होगा, डिस्कॉम को देगा अतिरिक्त ऊर्जा

अजमेर @ पत्रिका. गोविन्द सिंह गुजंर राजकांय महाविद्यालय तसीराबाद जल्द ही सौर ऊर्जा से जगमगाएगा। संभवतः यह राजस्थान का पहला कॉलेज होगा, जहां सभी कशाओं और कार्यालय में सौर ऊर्जा का प्रयोग होगा। कॉलेज आवश्यकतानुसार ऊर्जा खपत के बाद बची हुई बिजली अजमेर डिस्कॉम को देगा।

वर्तमान में कॉलेज में अजमेर डिस्कॉम द्वारा उपलब्ध बिजली का उपयोग हो रहा है। सौर ऊर्जा की बढती उपयोगिता को देखते हुए कॉलेज ने इसे अपनाने का फैसला किया है। प्राचार्य डॉ. कल्पना गौड ने बताया कि यहां ग्रिड कनेक्टिकिटी के साथ 20 किलोवाट का सौर ऊर्जा प्लांट लगाया गया है। इससे खनने वाली बिजली का कक्षाओं, कार्यालय और परिसर में उपयोग किया जाएगा। यह राज्य के सभी राजकीय महाविद्यालयों एवं संस्थानों के लिए आदर्श मॉडल का कार्य करेगा। सभी संस्थाओं की इसकी जानकारी दी जाएगी। इसके लिए डॉ. अतुल कुमार अग्रवाल एवं डॉ. कमलेश रावत की कमेटी बनाई गई है। इस प्लांट की उदयपुर में आयोजित रुसा की क्षेत्रीय समीक्षा बैठक में चर्चा हुई। कॉलेज शिक्षा आयुक्त अनुप खींची और संयक्त निदेशक डॉ. रेण बाफना शीघ इसका अवलोकन करेंगे।

ऐसा होगा सौर ऊर्जा प्लांट

संयोजक डॉ. अग्रवाल ने बताया कि विद्युत आपूर्ति में आत्मनिर्भरता के लिए पूर्णतः इको-फ्रेडली सौर ऊर्जा संयत्र लगाया गया है। आरहेररीएल के परियोजना अधिकारी जार थी, सिंह के सरव्येग से 20 किलोवाट ग्रिड कतेक्टियिटी और सौर ऊर्जा संयत्र को स्वीकृति मिली है। पूर्व में अधिकांश संस्थानों में सौर ऊर्जा संयत्र बैटरी के साथ लगाए जाते थे। यह पूर्णतः ईको फ्रेंडली नहीं थे। ऐसे सयंत्रों में संस्थानों में उपयोग के बाद बची हुई सौर

ऊर्जा व्यथं जाती थी। ग्रिड कनेक्टिविटी के सौर ऊर्जा संयंत्रों में बैटरी का उपयोग नहीं होगा। इससे संस्थान में आवश्यक ऊर्जा के बाद बची हुई बिजली को ग्रिड कनेक्टिविटी से विद्युत निगम को स्थानांतरित किया जाएगा। इसकी एवज में विद्युत निगम की ओर से अनुबॉधित दर पर भुगतान किया जाएगा। इसके लिए अजमेर डिस्कॉम के अधिशासी अभियंता बी.एस. सोनी एवं सहायक अभियंता एस.क. बंसल ने अनापति प्रमाण-पत्र एवं अन्य कारंवाई की।

भवनों का होगा जीर्णोद्धार

उपाचार्य डॉ. ए.एस. पंचार ने बलाया कि कॉलेज को राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान में 2 करोड रुपए स्वीवृति हुए हैं। इसकी पहली किस्ता के रूप में एक करोड मिल चुके हैं। अनुवान की प्रथम किस्ता से 35 लाख रुपए से प्राणीषारत्र प्रयोगताला निर्माण एवं 35 लाख से प्रयासनिक भवन, हॉल एवं पुरसकालय का जीर्णोद्धार कराया जाएगा। 30 लाख रुप्प से कॉलेज में किताबे, खेलवूक तामयी, लेब के उप्रकरणों की खरीद, स्मार्ट कलास, ओएफसी कनेक्टिविटी और अन्य कार्य कराय, जाएंगे। पुरसकालय का डिजिटलीकरण भी कराया जाएगा।